23.

आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण

डॉ. दिनेश श्रीवास*

सेमेस्टर – II प्रश्नपत्र– IV (हिन्दी भाषा), इकाई –01

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत एवं उनकी विशेषताएँ। भारतीय आर्य भाषाएँ– पाली, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

"आर्यभाषा" शब्द से ध्वनित होता है कि यह आर्यों की भाषा है, आर्यों द्वारा बोली, समझी और व्यवहृत होती है। इस दृष्टि से इसका मूल स्त्रोत जातियों (नस्लों) में ढूँढा जाता है। आर्यों के पूर्वज केवल भारत में ही नहीं अपितु एशिया और यूरोप में भी निवास करते थे। डॉ. हरदेव बाहरी के अनुसार सत्रहवीं–अट्ठारहवीं शताब्दी में कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड और दक्षिणी अफ्रीका में उपनिवेश स्थापित हो जाने पर इन यूरोपीय या आर्य परिवार की भाषाओं का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा कि वहाँ की मूल भाषाएँ दब–सी गईं। अब इन देशों की सामान्य या मुख्य भाषाएँ आर्य परिवार की हैं। विद्वानों ने इस वृहद् भाषा परिवार का नामकरण भारत–यूरोपीय (भारोपीय) किया है। संसार का सबसे बड़ा भाषा परिवार यही है। इसी भाषा परिवार से आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं की उत्पत्ति हुई।

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं की उत्पत्तिः– आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं की उत्पत्ति को हम निम्नलिखित आरेख–तालिका से सरलतापूर्वक समझ सकते हैं–

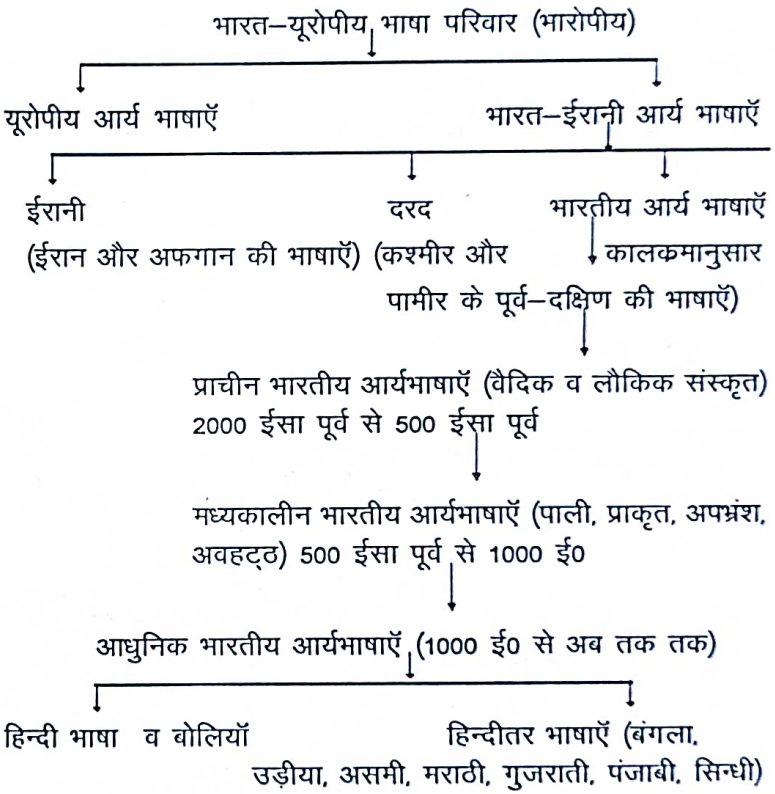

*जन्म : 10/12/1977, बिलासपुर (छ.ग.), माता : श्रीमती आशा देवी, पिता : श्री गणेश श्रीवास, शिक्षा : बी.एस–सी. (गणित), एम.ए. (हिन्दी), एम.फिल. (हिन्दी), पी–एच.डी. – "मोहन राकेश के नाटक और व्यक्ति स्वातंत्र्यः एक विश्लेषण" शीर्षक पर, रूचि : कविता, कहानी, नाटक तथा शोध–पत्र लेखन में विशेष रूचि, कई काव्य संग्रह व कहानी संग्रह प्रकाशनाधीन, कार्य : 1. कई राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में शोध पत्र का प्रकाशन, 2. दस से अधिक राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध पत्र की प्रस्तुति, 3. सह–संयोजक के रूप राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, 4. पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन कोरबा मुख्यालय में अनेक बार "हिन्दी पखवाड़ा" में मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि, 5. जनगणना, मतदान आदि राष्ट्रीय महत्व के कार्यों में राज्य स्तर के प्रशिक्षक के रूप में कार्य, अन्य : आपके माता–पिता कम शिक्षित होने के बावजूद आपके लिए जीवन–अनुशासन के श्रेष्ठ शिक्षक बने, सम्प्रति : सहायक प्राध्यापक (हिन्दी), शा. इंजी. विश्वेश्वरैया महाविद्यालय कोरबा, छ.ग., आवास : ए–71, रामाग्रीन सिटी, बिलासपुर (छ.ग.), मोबा. नं.– 7770899636, 7974698680, Email ID: dineshsriwash77@gmail.com

PRINCIPAL,
GOVT. ENGINEER VISHWESARRAIYA
P. G. COLLEGE, KORBA (C. G.)

GOVT. E.V.P.G. COLLEGE ★ KORBA ★